# WELCOME

Edit with WPS Office

# DIGVIJAY AUTONOMOUS PG COLLEGE RAJNANDGAON,CHHATISGARH

## CLASS :- MSW I SEM.

Paper - Social work History and Ideology- Indian perspective

Topic - Social work Values

Edit with WPS Office

# रुपरेखा

- प्रस्तावना
- अर्थ
- परिभाषा
- समाज कार्य मूल्य
- निष्कर्ष

Edit with WPS Office

# प्रस्तावना

सामाजिक सामुहिक कार्य के मूल्य वहीं है जो समाज कार्य के मूल्य है। समूह कार्य समाज कार्य की प्रमुख एवं प्राथमिक प्रणाली होने के कारण उसके भी वही मूल्य है। सामाजिक कार्य या समाजकार्य इन मूल्यों को अपने व्यवहार में सामुहिक विकास के लिए उपयोग में लाती है,और ये विकास वहीं अन्यत्र से उत्पन्न नहीं हुए हैं बल्कि हमारी सभ्यता, विश्वास एवं दर्शन में निहित है।

Edit with WPS Office

# अर्थ

समाजकार्य के प्राथमिक मूल्य जंगली फूलों की भांति राह के किनारे नहीं उगते बल्कि यह गहन विश्वासों में निहित है। जो हमारी सभ्यताओं का पोषण करती है सामाजिक समूह कार्य प्रजातांत्रिक मूल्यों में विश्वास किया जाता है तथा इनकी पूर्ति के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को अपनाया जाता है। स्वतंत्रता समानता तथा विकास करने की योग्यता सभी सामूहिक सदस्यों में पाई जाती है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक को आवश्यक सहायता प्राप्त करने का अधिकार है।

Edit with WPS Office

# परिभाषा

कोस ने मूल्यों को इस प्रकार परिभाषित किया है मूल्य को किसी वस्तु अवधारणा सिद्धांत अथवा परिस्थिति के विषय में किसी व्यक्ति समूह या समुदाय के बौद्धिक एवं संवेगात्मक निर्णय के रूप में देखा जा सकता है।

डोरोथीली ने मूल्यों को इस प्रकार परिभाषित किया है मानवीय मूल्यों से किसी एक मूल्य या गुल्लू की एक पद्धति से मेरा अभिप्राय है वह आधार जिस पर एक व्यक्ति किसी एक मार्ग को किसी दूसरे मारू की अपेक्षा अच्छा या बुरा उचित या अनुचित समझते हुए ग्रहण करता है हम माननीय मूल्यों के विषय में केवल व्यवहार द्वारा ही जान सकते हैं।

Edit with WPS Office

# समाजकार्य मूल्य

- समूह सदस्यों की योग्यता एवं महत्ता पर विश्वास ।
- आत्म निर्णय का अधिकार ।
- आत्म पूर्णता।
- परिवर्तन का विरोध।
- विकास की समान अवसर।
- सम ऊपर सांस्कृति का प्रभाव।
- अल्पमत विचारों का महत्व।

Edit with WPS Office

1) सेवा: जरूरतमंद लोगों की सेवा करना और सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए काम करना।

2)सामाजिक न्याय: सामाजिक अन्याय को चुनौती देना और कमजोर व शोषित लोगों के लिए सामाजिक परिवर्तन के लिए काम करना।

3)व्यक्ति की गरिमा और महत्व: हर व्यक्ति के महत्व को स्वीकार करना और सांस्कृतिक व जातीय विविधता का सम्मान करना।

4)मानवीय संबंधों का महत्व: व्यक्तियों और समुदायों के कल्याण को बढ़ाने के लिए मानवीय रिश्तों को पहचानना और मजबूत करना।

Edit with WPS Office

5)ईमानदारी: भरोसेमंद होना और पेशे के मिशन, मूल्यों, नैतिक सिद्धांतों और मानकों को बनाए रखना।

6)क्षमता: अपने ज्ञान और विशेषज्ञता के दायरे में काम करना, पेशेवर ज्ञान को लगातार विकसित करना और उसे बढ़ाना।

## निष्कर्ष

- मूल्य किसी भी समाज या संगठन के अनिवार्य घटक होते हैं

Edit with WPS Office

तथा इनके बीच टकराव होना भी अपरिहार्य है।यह स्थिति विशेष रुप से तब उत्पन्न होती है जब हम किसी ऐसे समूह या संगठन के साथ कार्य करते हैं जहां लोगों के हित आपस में जुड़े होते हैं। चूंकि किसी भी संघर्ष के सकरात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही पक्षों होते हैं । हैं परंतु ऐसी स्थिति में दोनों पक्षों पर विचार विमर्श के बाद एक संतुलित एवं बेहतर निर्णय पर पहुंचा जा सकता है जिसमें सभी के हितों के साथ-साथ सभी मूल्यों का सम्मान हो।

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office